STAR 16.11.2022
In the dark as the winds blow by
far in the distance I mark my stage
Its been long since I had rest
Burning myself to the quest
Listening to the fog around
Seeming lost in a strange town
I look at you for some muse
In the dark as the winds blow by

Its been the same for the two of us
You and me in our own worlds
You shining there
and me burning here
O I feel like star.

O I feel like a star
In a space quite far
Trying to shine my way
a twinkle as you say
a touch of bright
and a glimmer weak
dotting the night
with a tiny streak
Making a mark
as all speak
O I feel like a star.

It may look bleak to all
In a crowd with more like us
But come near me will they
Bcos I am the sun of my day
Waiting for that gaze
Shining with my flames
and a name that they say
Bcos I am the sun of my day

You and me in our own worlds
You shining there
and me burning here

O I feel like star.

O I feel like a star
In a space quite far
Trying to shine my way
a twinkle as you say
a touch of bright
and a glimmer weak
dotting the night
with a tiny streak
Making a mark
as all speak
O I feel like a star

SWEET PAIN 09.01.2021

i walked down the sweet old lane
saw the spot where i hid my train
called out to my friends for a game
but were none as they grew insane

i ran behind the pillars to hide
thinking she would come by my side
tried telling my girl to wait
but she said it was too late

you are my sweet little pain
my joy in the rain
you are the sunshine above
the light of my love
you are the sugar in my cake
the smile on my face
you are my joy in the rain
my sweet little pain

Lived some jolly good days
Gone but memories stay
Old pals with their stakes
Rewards and their takes
Less wins and more mistakes
Living it in a big way

I finished my meal and behaved nice

thought mom would hear me twice
Cried and cried to make her say
but she went far away.

i sat on the bench in the noon
watched the dogs after their bones
smiled as I wished for my home
but it was gone as I turned old.

you are my sweet little pain
my joy in the rain
you are the sunshine above
the light of my love
you are the sugar in my cake
the smile on my face
you are my joy in the rain
my sweet little pain

Lived some jolly good days
Gone but memories stay
Mama and her spice
Dad with his advice
No worries, all play
Living it in a big way

FAREWELL(heroes song):

A story of sacrifice
lived to the name
to the glory of light
and a smile on the face.
Dodging the dark
and staying in,
A spirit to reckon
It won't be the same

A journey is over, farewell my friend,
See you next time, on another train,,
That spirit of yours with a new name.
and that smile, in another game
You were true,You were good,
You were loyal, to that every move

You did your duty
to your mission
gave your best
for a conclusion.
a fight for finish
with courage in your heart
facing the odds
and the diminish

A journey is over, farewell my friend,
See you next time, on another train,,
That spirit of yours with a new name.
and that smile, in another game
You were true,You were good,
You were loyal, to that every move

A hero forever..
standing tall
etched in memories
for sure.

Farewell..

Farewell..

FAITH 15.12.2020

I wonder about it, what can this ever be?
A fancy , or a reality?
I wonder and fumble
feel the heat and pain
Thinking , I break in a blink
loose a grip, and begin to sink
in a haste make a waste
Give up on the brink
look down and give a grin

you got to have faith in you
You gotta believe in yo
there's a strength in us
You gotta feel it too *2

Listen to your heart
what it says
In the tangles,
There's a way.

Ooooooooo

listen to it , do your doing
what's the goal, where you going
leave the tangle, where it leads
feel , and take the leap
Let go control
go with it, and just begin
stand, as things unfold
live the moment, rest gone
take a start , things will roll
someday, it will be fine
as you get to go
Believe in you and the big life
Walk the road with a sweet smile

you got to have faith
You gotta believe in you
there's a strength in us
you gotta feel it too (X2)

Oooooooooo

Mukti

जिवनपथ पर कंकर मिले बिखरे हजार
हर कंकर पूछें हम से काहे करें विहार

हमने कहा कर्म है चलना डगर ले जाए जहां
कंकर बोला परिक्षा करना ही मेरा उत्थान

कहकर उसने सहयोगीयो को दी पुकार
सोचा हमनें रास्ते पर ध्यान दें दो बार

संघर्ष चला, समय बदला, सफर आगे बढ़ा
कंकर और शंकर के बीच मंथन होता रहा

क्रोध निकला, अंगार निकले और फूटा कोहराम
भाव जन्मा, प्रेम बहा और आया आनंद

आपदा ,विपदा, सुख, शांति उन्हिका रचाया खेल
हर कंकर में शंकर होत, बस ॐ ज्ञान ही मेल

कंकर मिठे लगने लगे, लक्ष बना प्रणाम
देख कर उनकी माया को, शरणं हुए विचार

कंकर पूछा कब तक चलना रहेगा तुम्हारा काम
हम बोलें, शरण में उनके, जब भोले दें आराम

भोले ने रास्ता दिया,
भोले ने दी सांस,
कंकर भी भोले दिये ,
वहीं देंगे आराम

फिर से पूछा जब सब एक हैं, काहे ना करो बिश्राम,
सर्व श्रेष्ठ मानव मोह तो रहता परमधाम

जो है सो उनकी इच्छा सोच, हमने सौंपी मती,
पांव रुकते ही जकड़न छूटी, मुक्त हुई गती.

Sukun

एक सुकून महसूस होता है
आज सिर टेकने पर
न कोई गिला शिकवा
न किसी से सफाई का दावा
ना किसी को रिझाने का मकसद
ना किसीसे सराहने की अपेक्षा
शुक्र गुजार है इस जिंदगी के
की चंद पल हस कर बीती
और जो पल राज न आए
वो भी मीठी सौगात दे गए
संजोग, सीख और संवेदना के मोती
जैसे समय की माला में समाए
कटपुतली है हम इस अनंत रचना
पल पल बस यही एहसास कराए
समझाए यह गहरी ज्ञान की धारा
तुम कौन हो , क्या है उद्देश तुम्हारा
पीपल के पत्ते का उदाहरण देकर
इस संसार का दरिया पर कराए
मायावी परत के भीतर छिपा है संदेश
कहे जो इससे परे उठा वही गया भेद
आनंद की दर्शाए परिभाषा अनेक
मूल में जिसके है हर को अपनाने का लेख
सुख दुख संभाव को जीवन में समाए
कर्म का कार्यभार रहते निभाए
जो है पीड़ा लिखी वो तो होनी है
अपने बस में तो सिर्फ अपनी करनी है
एक आश्चर्य सा होता है
जब बीते वक्त को देखते है
जैसे हमारी हर नादानी को
यादें प्रेम से परोसती है
फल और सफलता से थे मोहित
हार जीत से रहते थे विचलित
मोह माया और द्वेष के जंजाल में

ना जाने हम कितनी रैन गवाए
बस यह अब जान लिया की सुकून से है
जब मन उद्वेग से शांत हो और दिल कहे
अब नींद अच्छी आएगी।

Swikriti

हां मुझे ज्ञान है
शब्द ये अज्ञान के

ज्ञान की परिभाषा में
समझ बने मजबूत टेक

साधना ने जुटाया हाथ
तब सिद्धि ने दिया साथ

विनम्रता ने शिष झुकाया
तब भाव ने दी छाया

ध्यान ने किया संघर्ष
चिंतन मनन जुड़े सहर्ष

लक्ष्य ने किया अभिमान
तो बुद्धि का हुआ सम्मान

ध्येय ने खोली ज़बान
तो कार्य को आई जान

परिश्रम की निकली उड़ान
हुनुर को मिला स्थान

परीक्षा ने निकाली जान
अनुभव का हुआ उत्थान

संजोग ने जब दी सीडी
सफलता होने लगी बड़ी

अहंकार ने पकड़ा दामन
दृष्टि ने छोड़ा आंगन

मती जब होने लगी भ्रष्ट
दिशा को होने लगा कष्ट

सुनके मैं उठा चिल्लाया

अहम हुआ साया

शक्क ने जब है घेरा
लगाया नाश ने पहरा

पक्षपात से हुई लड़ाई
अपना दुश्मन बना भाई

ज़िद ने अपनी जगह बनाई
प्रेम को दिया ठुकराई

विश्वास की हुई लड़ाई
बुरा भला खूब काहाई

लगी मिटने पुरखो की सियाही
तब दोनों की जान पे बन आई

लगे दर दर खटकाने
सांस अब लगी अटकने

सलाह ने रास्ता दिखाया
सुलह ने हाल समझाया

दोनों ने सम्मति दीखाई
की स्वार्थ में हुई जग हसाई

तब अज्ञान पड़ा हस
मेरे तमस में गया फस

तब स्वीकृति मुस्कुराई
पहले क्यों ना सूझ आई

तब अज्ञान ने स्वीकार किया
मेरे अंधकार में ही माया

स्वीकृति ने ज्योत जलाई
ज्ञान प्रकाश को दिया फैलाई

स्वीकृति अज्ञान की
ही बड़ी ज्योत ज्ञान की

Jeevan Chakra

कभी कभी लगता है
की अब तक क्या हुआ
क्या में एक परछाई के नीचे दबा था
या किसी परछाई के पीछे भाग रहा था
क्या था जो मैं सोच रहा था
और क्या था जो बनने की कोशिश कर रहा था
जैसे कोई प्रतिबिंब जो अब मुझसे ओझल हो रहा है
या कोई हकीकत जो अब नजर आ रही है
बयान क्या करू जीवन के इस अनुभव को
जैसे कि एक नया पहलू निकल के आ रहा हो
जो अपना सा लग रहा था उसने राह कर दी
और जिस का एहसास नहीं था वो आज करीब सा है
यह नया पहलू जैसे जीवन के सत्य का परिचय है
वो परिचय जो अपने बीते परिचय को खोने से मिला
और वो परिचय जिसने इस नए पहलू से जनम लिया
जैसे एक दौर बीता और एक दौर की शुरुआत
जैसे कुछ बदला और कुछ पलटा
जैसे कुछ बहा और कुछ थमा
जैसे जीवन चक्र एक पल घुमा
एहसास के साथ एक अंदाजा होने लगा कि जो सफर और समय कैसे कटेगा सोच रहे थे, अब सोच रहे है कि सफर और समय कैसे बीत गया।
आरंभ, प्रारंभ, प्रीति, परिचय,प्रयोग , प्रतिबिंब और विराम,
जीवन चक्र की गति नियम के कुछ नाम,
इनको सादर प्रणाम!

PLASTIC TOWN 27.12.2020

in a big chair
castles in the air
nothing matters
no ones despair
Hard persuasion
pressing conclusion
grabbing a shoe
without a clue
past victim
now a master
feeding on
the cluster

upside down plastic town
Lonely heart with a happy frown
leaves no choice, a slave or toy
runs and burns, time and joy

Who's in line
next to move
turn plastic
and to screw
sticky situation
lame equation
swinging back- forth
the same notion
How to know?
Where to go?
you live in it
or it leaves you.

upside down plastic town
lonely heart with a happy frown
leaves no choice, a slave or toy
runs and burns, time and joy

इकड़म तिकड़म
15.08.2025

इकड़म तिकड़म
आरा रा रा बम बम
आला गेला झोल झाला
उल्टू पुलटु जोने तू
सब खेल है बंधु

खेल में जिले तू
कोई गीत सुनके यूं
अपनी धुन बना तू
एक नगमा लिख के देख
साज़ को छेड़ ज़रा
कोई गीत गा के सुना
टूटा फूटा डर ना तू
उदास भी हो न यूं

इकड़म तिकड़म
आरा रा रा बम बम
इकड़म तिकड़म चलते जा

रंगों को उछाल ज़रा
अपनी बोली कहके दिखा
थोड़ा सा टहल ले तू
पेड़ो से बाते बना
तारों भरी रातें सजा
मन करे तो खो जा
खुद पर न जोर जता
आरा रा बम बम चलते जा

इकड़म तिकड़म
आरा रा रा बम बम
इकड़म तिकड़म चलते जा

मुस्कानों का मेला सजा
कहानियों का दौर चला
सब को ले मेंहफिल सजा
अपनी कहानी भी सुना
बस खुलकर जीते जा
आरा रा बम बम चलते जा

इकड़म तिकड़म चलते जा।
इकड़म तिकड़म चलते जा

LET IT BE! 7.12.2020

Intro

the world has turned around
he's walking back his time
end of a beginning
or beginning of an end
this damn loop in line
forever stays insane
infinite to understand
is not his game.

Let it be ! set him free
boy can't count the sheep
smart but not enough
whiling in his sleep .

Let it be ! set him free
boy can't count the sheep
smart but not enough
whiling in his sleep .

Interlude

visions never seen
places never been
a universe of existence
bursting in his dreams
living a different story
not knowin' what to bring
parallels in life
surely, not his being

Let it be ! set him free
boy can't live his being
far from the maddening crowd
diving in the deep

Let it be ! set him free
boy can't live his being
far from the crowd
diving in the deep
Outro

Walking Home 07.12.23

Intro

It's a free road
Long and straight
the wait is over
For a new day.

The orange skies
make some way
Saying good bye
to yesterday.

Home Home Home
Home Home Home
Walking Home Home Home is where I stay..

Home Home Home
Home Home Home
Walking Home Home Home is where I stay..

The fields golden
with the hay
and trees shining
In the rays

Children playing
with their bae
while others lazing
In the shade

Home Home Home
Home Home Home
Walking Home Home
Home is where I stay..

Walking down the road
Waving to the skies
Smiling all day

home is where I stay

Home Home Home
Home Home Home
Home Home Home
Home is where I stay..
*2

It's been quite far since yesterday
catching upwith today.
Time for a break away
before the end of day.

Walking down the road
Waving to the skies
Smiling all day
Home is where I stay

Home Home Home
Home Home Home
Walking Home Home Home is where I stay..
*2

Outro

Aai na

वह जान के अंजान बने
सामने खड़े शख्स से
आईना हस पड़ा
देख के उनकी अदा

जब रोने का मन किया तो हस लिए
कही दुनिया हमें पागल न समझ ले

वह जान के अंजान बने
सामने खड़े शख्स से
आईना हस पड़ा
देख के उनकी अदा

अभी हम है
या वह मैं था
क्या वह कल था
या यह कल है

अभी तो हम आए इस दुनिया में
की तुमने पूछा कबसे हो
क्या हम मिले है पहले कभी
की तुमने कहा फिर से मिलो

अभी हम है
या वह मैं था
क्या वह कल था
या यह कल है

उनसे जुदा होना इतना नापसन्द था
की उनसे अलग हो गए
मिलने की कोशिश हो नहीं कि
के वो हमसे मिलने आए

अभी हम है
या वह मैं था
क्या वह कल था
या यह कल है

लोग गहराई ढूंढते है शब्दों के समुंदर में
किसी की आँखें पढ़ लो तो कुछ समझ पाओगे

SUBLIME BLUE 6.12.2020

Into :

I feel blue
Be by my side

I feel blue
Stay a while

it's a monday, end of the break
just another someday, in the present's birth
i roll up my sleeve, as i wan't to stay
belt the trouser's, and lift my case

Ooooooh! sublime blue..
please... take me through
deep..... into the bottom
and uuuup.. in the highs
a space to wander....
in someone's sky.......

calm in the streets, windy in my mind
a sublime blue, one of a kind
longing for you to be near be
my glasses frame, a drop of salt

Oooooh! sublime blue
please take me through
deep into the bottom
and up in the highs
a space to wander
in someone's sky

I put on my face and hide the grace
missing my blue and the lovely stare
a step in the wild with some style
it's sublime blue for a while

Ooooooh! sublime blue
please take me through
deep into the bottom
and up in the highs
a space to wander
in someone's sky ...

Outro

I feel blue
be by my side

I feel blue
stay a while

Mukhauta

चेहरे पे मुखौटा दौड़ने का है खेल
बड़ा हो या छोटा छूटा दिल का मेल
यह तेरा यह मेरा हर पल में हिसाब
प्रेम की नगरी के टूटे सब ख्वाब

 दिन हो या रात बस रुपये की बात
बिसरा अपनापन बंधी मन में गांठ

रिश्ते बने बंधन और नाते बोझ
समय बदला और पलटी सोच

बीते मीठे पल की यादों की आड़
अहम ने बनाया स्वार्थ को परमार्थ

चेहरे पे मुखौटा दौड़ने का है खेल
बड़ा हो या छोटा छूटा दिल का मेल
यह तेरा यह मेरा हर पल में हिसाब
प्रेम की नगरी के टूटे सब ख्वाब

अंधेरे से अंधेरा होता नही दूर
रोशनी की एक किरण से आता है नूर

एक दिन आएगा खुद से होगा सामना
सच क्या है यह पड़ेगा जानना

मुखौटे के पीछे का चेहरा होगा देखना
और चढ़े रंग को पड़ेगा उतारना

चेहरे पे मुखौटा दौड़ने का है खेल
बड़ा हो या छोटा छूटा दिल का मेल
यह तेरा यह मेरा हर पल में हिसाब

प्रेम की नगरी के टूटे सब ख्वाब

जिंदगी जीने के लिए जो अपनाए पैत्रे
आज है वो तेरे कल किसे के दूसरे

क्या तेरा क्या मेरा ये न कोई बताएगा
बस यह जान तु कुछ नही लेके जाएगा (*2)

चेहरे पे मुखौटा दौड़ने का है खेल
बड़ा हो या छोटा छूटा दिल का मेल
यह तेरा यह मेरा हर पल में हिसाब
प्रेम की नगरी के टूटे सब ख्वाब

bachpan

अचानक ये जाना सब बड़े हो चुके है
हररोज की दौड़ में बचपन छोड़ चुके है

डर है शायद कुछ खोने का
अपने आप को देख भावुक होने का

हर छोटी चीज़ में बचपन ढूंढ़ते है
बच्चा बनने को मिला तब आंखें मूंदते है

सब से मेल रखना मजबूरी समझते है
साथ में खुदको छुपाना ज़रूरी समझते है

जिनके साथ यादे ताज़ा कर सकते है
अंदाज़ से दायरोंको सिमट ते है

अचानक ये जाना सब बड़े हो चुके है
हररोज की दौड़ में बचपन छोड़ चुके है

समझते है वक़्त ने दूरियां बढ़ाई है
पर दोस्त दूरी कम करने की खूबी भी तो कमाई है

कहते है,बच्चों के साथ बच्चा बनना पड़ता है,
उनसे सीखो तो बचपना लौट आता है

अपनी हकीकत से बड़े परेशान है हम
बचपन की एहमियत से बड़े अनजान है हम

एक नई सांस भर देता है हम में
खुशी का झोंका लेहरा देता है घम में

अचानक ये जाना सब बड़े हो चुके है
हररोज की दौड़ में बचपन छोड़ चुके है

लम्हा कैसा भी हो बचपन अपना लेता है
ज़िद्दी दिमाग है जो ठुकरा देता है

फिर वही मोड़ अंत में आता है
जीवन आदमी को फिर बच्चा बनाता है

याद दिलाता है बचपन जिसे भूल गए है
बच्चा बनते मेहसूस हुआ जैसे फूल बन गए है

काश यह पहले समझ आया होता
शायद जीवन व्यर्थ ना बिताया होता

नसीहत देते है उनको जिनके पास मौका है
बचपन जीते रहना बस यही पर टोका है

अचानक ये जाना सब बड़े हो चुके है
हररोज की दौड़ में बचपन छोड़ चुके है

अचानक ये जाना सब बड़े हो चुके है
हररोज की दौड़ में बचपन छोड़ चुके है

IIm

कुछ सोच ऐसी जागी
 कि रात भर सोए नहीं
दिन निकला तो एहसास हुआ
की वो एक सपना था

वह भी क्या दिन थे
यह भी क्या दिन है
कुछ अरसों का फासला है
कुछ पलो की यादें है

वह भी क्या दिन थे
यह भी क्या दिन है
कुछ अरसों का फासला है
कुछ पलो की यादें है

हम सुलझाने सुलझाने में उलझते चले गए
जब उलझना छोड़ा तो सब सुलझ कर छोड़ चले।

शिकस्त से लड़ कर आगे बढ़े तो शायद तुम जीत लो
पर हार को अपना कर आगे बढ़े तो शायद तुम सफल हो

वह भी क्या दिन थे
यह भी क्या दिन है
कुछ अरसों का फासला है
कुछ पलो की यादें है

वक्त का इल्म न रहा जब डूबे अपने जोश में
मंजर बदल चुका था जब आए हम होश में

दिन बीत गया तुम्हारी यादों में
अब तुमसे ख्वाबों में गुफ्तगू करने की उम्मीद रखता हूं।

वह भी क्या दिन थे
यह भी क्या दिन है
कुछ अरसों का फासला है
कुछ पलो की यादें है

)वह भी क्या दिन थे
यह भी क्या दिन है
कुछ अरसों का फासला है
कुछ पलो की यादें है

Lakir

कौन हो तुम क्या है पता तुम्हारा
खुद से क्या है नाता ज़रा बताना

लकीरों को मुट्ठी में कैद किए हुए
हासिल तो बहुत किया होगा तुमने

मुट्ठी खोल दिल पर हाथ रख बता
माथे की लकीरों का राज़ खोल ज़रा
पाने के जोश में क्या गवाया तुमने
हासिल किया सब पर क्या खोया तुमने
सब के ब्रीच रहकर अकेला से ही
दुनिया से आंखे मूंदे खुद में खुद को ढूंढते हो

कौन हो तुम क्या है पता तुम्हारा
खुद से क्या है नाता ज़रा बताना

यह न सोच में कुछ अलग हूं तुमसे
बस यह समझो थोड़ा गलत हूं तुमसे
मैं कोई नही न मेरा कोई ठिकाना
शायद एक फकीर जिसे किसीने न माना
बिना मंजिल की लकीर है मेरी
बस मुझसे गुफ्तगू करने की आदत है मेरी
सब के बीच रहकर खो गया हूं मैं भी
पर खुद से दोस्ती सा कर बैठा हूं ऐसी

कौन हो तुम क्या है पता तुम्हारा
खुद से क्या है नाता ज़रा बताना

अकेलेपन में भी व्यस्त रहता हूं
थोड़ी रूमानी में मस्त रहता हूं
तुमसे मिल कर मैंने यह जाना
लकीर के फकीर से हमने खुदको पहचाना
सही गलत के बीच की है यह लकीर
एक की मुट्ठी बंद एक की है खुली
अपनी अपनी जगह हम सही है दोस्त
क्या खोना क्या पाना तो है संजोग
जीवन चक्र का है यह एक प्रयोग
इस में नहीं हैं किसिका कोई दोष

Bhavander

खो गए है सब दुनिया के भवंडर में
एहसास नहीं की है किस समंदर में

खो गए है सब दुनिया के भवंडर में
एहसास नहीं की है किस समंदर में

लहरों से टकराने के जोश मे
उन्ही के साथ बहे जा रहे है

अर्थ है जाना पर उसे समझा नही
खुद के मन को पहचाना नहीं

मिट्टी कि चादर पर महल बनाया रंगीन
पर उसी मिट्टी में मिल जाने है एक दिन

खो गए है सब दुनिया के भवंडर में
एहसास नहीं की है किस समंदर में

सब पीछे छोड़ जाना है यह है पता
लेकिन जीना तो है सबकी है एक वजह

जीने को क्या बनाया एक भेड़चाल है
जिसमे जीवन का नही कोई माल़ है

आश्चर्य है की सब को सब है पता
पर फिर भी क्यों है हम लापता

खो गए है सब दुनिया के भवंडर में
एहसास नहीं की है किस समंदर में

सब सुन जान के भी अंजान रहते है
हम क्यों इस मानव रचना को अंजाम देते है

जब है यह हमारे कोशिश के दायरों में
हम क्यों गिनती करवाए जानवरो में

क्यों हम सोच काबू नही कर पाते है
और बेबस उन लहरों में बहते जाते है

खो गए है सब दुनिया के भवंडर में
एहसास नहीं की है किस समंदर में

हम जीना और जीवन का फर्क क्यों नहीं परखते
हमारे जन्म का लक्ष्य क्यों नहीं समझते

जिंदगी जी तो हर प्राणी लेता है
पर जीवन तो इंसान के लिए बना है

सोचे और समझे इन बातो को थोड़ा हम
तो जीने से ज्यादा हमारा बने जीवन

खो गए है सब दुनिया के भवंडर में
एहसास नहीं की है किस समंदर में

खो गए है सब दुनिया के भवंडर में
एहसास नहीं की है किस समंदर में

Guzran

कभी कभार वक़्त मिले तो
हमारी गलियों से गुजर के देखो
एक अरसा बीत गया तुमसे गुफ्तगू किए
कई मौसम बीत गए तुम संग ठहाके लगाते

कभी कभार वक़्त मिले तो
हमारी गलियों से गुजर के देखो
एक अरसा बीत गया तुमसे गुफ्तगू किए
कई मौसम बीत गए तुम संग ठहाके लगाते

ए दोस्त दुनिया की दौड़ में रंजिशो का दौर तो चलता रहेगा
पर काफी वक्त बीत चला एक दूसरे के ज़ख्म सहलाए
चलो फिर शुरू करे वो दौर एक दूसरे के मलहम बनने का
एक साथ खड़े होके सामना करने का
मेरे तुम्हारे के फर्क में हम हम को खो बैठे है
हम से तो सारी दुनिया है वरना
मैं में क्या रखा है
आओ मिलके एक दूसरे का साथ निभाए
कुछ कम कुछ ज्यादा एक दूसरे का हाथ बटाएं

कभी कभार वक़्त मिले तो

हमारी गलियों से गुजर के देखो
एक अरसा बीत गया तुमसे गुफ्तगू किए
कई मौसम बीत गए तुम संग ठहाके लगाते

साथ की आस है तो जिंदगी है
वरना खोखली बनती हर बंदगी है
आओ फिर बैठ कर कुछ लम्हे संग बिताए
कुछ रूमानी बातों के फूल खिलाए
बस यही तो सफर है जीवन का
चलती दौड़ में ठहर कर संभलने का
थोड़ा तुम थोड़ा हम समझ के समझाए एक दूसरे को
और क्या चाहिए
बस जिंदगी बीत जाए इसी गुजरान में
गलियों में घूमते रहे सारे जहान में

कभी कभार वक़्त मिले तो
हमारी गलियों से गुजर के देखो
एक अरसा बीत गया तुमसे गुफ्तगू किए
कई मौसम बीत गए तुम संग ठहाके लगाते

Mehfil

जुगनू ए महफिल सजे जब अंधेरे की चादर हो
टिमटिमाती रोशनी कहे इंतजार कर सवेरे का

कभी हमदम कभी हमनवा
कभी दोस्त कभी दिलरूबा
ए जानशीन तुझे किस नाम से पुकारू
दिलदार तेरा दीदार हर लब्ज़ में है
और जो हर लब्ज़ तेरी तारीफ करता है
उस हर लफ्ज़ पर भी मेरा दिल आया है

शखसियत अंजान है रास्ता गुमनाम है
किस मोड़ दस्तक देती है रोशनी
बस इस पल का दिल में मुकाम है।

ए हमदम हम तुम्हे हाल ए इश्क क्या बयान करे
ज़रा उस तड़प नाम की चीज से पूछो जो हम से उफ्फ कर बैठी है

कभी हमदम कभी हमनवा
कभी दोस्त कभी दिलरूबा

ए जानशीन तुझे किस नाम से पुकरू
दिलदार तेरा दीदार हर लब्ज़ में है
और जो हर लब्ज़ तेरी तारीफ करता है
उस हर लफ्ज़ पर भी मेरा दिल आया है

जैसे जैसे लम्हों के दायरों से वक़्त गुजरेगा
बयान होगी हकीकत किस्मत के लफ्जो से

Khoj

खोज एक नीले आसमान की
जिसके तले हरियाली की चादर हो
बीच में दोनो के हो एक बसेरा
जिसमे छलकती प्रेम की गागर हो
बहते नीर उसकी हो प्रेरणा
और सूरज उसकी अग्नि हो
ऐसा हो दिन का सवेरा
जिससे पावन परचम हो
पवन में एक खुशबू महके
प्रफुल्लित करदे अंतर मन को
ध्वनि में जिसके हो साधना
और नाद में समर्पण हो
दृष्टि से श्रृष्टि की आराधना
और स्मित में तर्पण हो
आसक्ति ही मनोभावना
और शरणम् जीवन हो
ऐसा हो एक जीवन बसेरा
जिससे शिव दर्शन हो।

Kash

काश मैंने ऐसा किया होता
तो आज में ऐसा होता

काश मैंने ऐसा किया होता
तो आज में ऐसा होता

मुझे भी अपनाया होता
बहुतों ने बुलाया होता

खुश होते खुद से खूब
सफलता में रहते डूब

मैं माना है यही भाग्य
लाचार हुनुर का नहीं सौभाग्य

समाज के है जो नियम
उसका पालन ही सईयम

काश मैंने ऐसा किया होता
तो आज में ऐसा होता

काश मैंने ऐसा किया होता
तो आज में ऐसा होता

फिर एक आवाज़ दी सुनाई
तूने क्या जेहमत उठाई

समाज साईयम जग कहाई
क्या तूने सुनी दिल की सुनवाई

खुद से अपने भाग रहे हो
और समाज को ताक रहे हो

समाज बना लाखों रास्तों से
पर रास्ते बनते विश्वासों से

सफल होने की इच्छा रखते हो
पर सफलता के परिश्रम से डरते हो

आसान रास्ते की अपेक्षा करते हो
फिर सैयम को दोष देते हो

काश मैंने ऐसा किया होता
तो आज में ऐसा होता

काश मैंने ऐसा किया होता
तो आज में ऐसा होता

सोच से नहीं कार्य रच जाते
इच्चाबल से है लक्ष्य साधते

कार्य को जो सच मानते
 अमल को है माथे बांधते

कार्य करना काम तुम्हारा
रास्ते ढूंढने से ना होगा गुज़ारा

 काश तुमने काश ना सोचा होता
तो तुम्हारा मन्न भी सोया होता

अब जब जागे हो तो करलो ठान
कार्य करना ही बड़ा सम्मान

सफलता तो भाग्यरेखा है
परिश्रम है अपना अभिमान

काश तुमने काश ना सोचा होता
तो तुम्हारा मन्न भी सोया होता

काश तुमने काश ना सोचा होता
तो तुम्हारा मन्न भी सोया होता

Khwab

लोग व्यस्त है अपनी व्यथाओं में
की गौर नहीं अपने सुकून पर
कहानी लिख देते है दीवार पर
और किताब के पन्ने खाली

बयान क्या करे सफर ए जिन्दगी जो समझ से परे है
बस एक ख्वाब सा लगा, जब नींद ने दस्तक दी।

बयान क्या करे सफर ए जिन्दगी जो समझ से परे है
बस एक ख्वाब सा लगा, जब नींद ने दस्तक दी।

पहले झुलसने के जुनून में, निकल पड़े सीना तान कर
फिर समझने की उलझन में, बैठे सिर झुका कर
तोड़ मरोड़ कर अपने चित को ताका हर नजरिए से
फिर जाना उलझ पड़े थे हम समझने के जुनून में

बयान क्या करे सफर ए जिन्दगी जो समझ से परे है
बस एक ख्वाब सा लगा, जब नींद ने दस्तक दी।

अब उलझ और समझ का फर्क बस जुनून से दिखता है
चित और पट की माया है सारी समय की लहर में
यह जिंदगी एक ख्वाब है या वो ख्वाब नींद के पार है
देखते है चित है या पट है समय के सहर में

बयान क्या करे सफर ए जिन्दगी जो समझ से परे है
बस एक ख्वाब सा लगा, जब नींद ने दस्तक दी।

बयान क्या करे सफर ए जिन्दगी जो समझ से परे है
बस एक ख्वाब सा लगा, जब नींद ने दस्तक दी।

Rishta

Intro lead

क्या रिश्ता है हमारा इन नज़ारों से,
के देख दिल मचल जाता है
कुछ बयान करने को

ज़िंदगी को इतनी संगीन बनाई क्यों हमने
की खुदको ढूंढते रहते है परछाइयों में
थोड़ा रंग भरने की ख्वाइश जताते रहे
और कलम उठाई थोड़ी सियाही बहाने के लिए

क्या रिश्ता है हमारा इन नज़ारों से
के देख दिल मचल जाता है
कुछ बयान करने को

सियाही बोली कलम से
मैं तुझमें बहती हूं
कलम हस के बोला स्याही से
पगली में तुझसे चलता हूं

क्या रिश्ता है हमारा इन नज़ारों से
के देख दिल मचल जाता है
कुछ बयान करने को

कौन शख्स कलम से लिखते थक जाता है
जरा उन आंखों को तो कोई पूछे
जिन से सियाही बहती है

Interlude riff

बहती सी नमकीन धारा
जैसे कुछ कहना चाहे
बस एक बूंद मीठी सी
होठों पर रख दो

क्या रिश्ता है हमारा इन नज़ारों से
के देख दिल मचल जाता है
कुछ बयान करने को (2)

Outro